B.A. II भूगोल

Date: / /

चाय के प्रमुख उत्पादन का 55% ब्रह्मपुत्र नदी की घाटी मे असम के दरांग शिवसागर व लखीमपुर जिले तथा सुरमा घाटी के कछारी क्षेत्र मे होता है पश्चिमी बंगाल मे दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जिले झारखण्ड मे हाजारीबाग और रांची बिहार मे पुर्णिया उत्तराखण्ड मे गढ़वाल और अलमोड़ा जिले मे पाया जाता है

उत्तरी भारत मे चाय और दक्षिणी भारत मे नीलगीरि 1,060 मी० की पहाड़ियो मे 1,462 मी० से 1,700 मी की ऊंचाई तक बोई जाती है

चीन → चीन विश्व का सबसे बड़ा चाय उत्पादक देश है यहा काली एवं हरी दोनो प्रकार की चाय तैयार की जाती है यहा पर अधिकतर चाय उत्पादक ~~देश है~~ यान्गीसीक्यांग की घाटी और दक्षिणी पूर्वी पहाड़ियो पर शंघाई से हांगकांग के मध्य स्थित क्षेत्रो क्यागसी और फुकेन की उपजाऊ लाल मिट्टी मे तथा जेचवान बेसिन मे नदियों की घाटियो मे पैदा की जाती है चाय का निर्यात शंघाई बन्दरगाह से किया जाता है चाय के घरेलू बजार की दृष्टि से हांको सबसे महत्वपूर्ण केन्द्र है

जापान → जापान मे सुवाहित पहाड़ी ढाल पर्याप्त वर्षा एवं तापमान की अनुकूल दशाऐ पायी जाती है शिजुओक क्वाण्टो क्षेत्र और किन्की क्षेत्र मे सबसे उत्तम चाय पैदा करने वाले क्षेत्र है

Date: / /

अतिरिक्त क्यूशू और शिकोकु द्वीपो के उत्तरी भागो मे भी पहाड़ी ढालो पर चाय पैदा की जाती है। चाय की खेती प्रशान्त महासागर के तटवर्ती क्षेत्र पर ही केन्द्रीत है। जहाँ गर्मी मे पर्याप्त वर्षा हो जाती है। चाय हरी होती है। जो शिमूजू और याकोहामा पत्तन से मुख्यतः संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात की जाती है।

इण्डोनेशिया → यहाँ अनेक द्वीपो मे चाय की खेती की जाती है। जिनमे जावा और सुमात्रा द्वीप मुख्य है। चाय के उद्यान अधिकतर द्वीप के पश्चिमी ज्वालामुखी उच्च प्रदेशो मे ही स्थित है। जो सामुद्रिक धरातल पर 625 से 1,250 मी तक ऊँचे है। प्रमुख उत्पादक क्षेत्र सुमात्रा के उत्तरी पूर्वी ढाल जावा के पश्चिमी ढाल एंव कालीमण्टन के दक्षिण पश्चिमी ढाल है।

यहाँ से चाय का निर्यात नीदरलैण्ड संयुक्त राज्य अमेरिका मिस्र आस्ट्रेलिया ग्रेट ब्रिटेन और कनाडा को किया जाता है।

श्री लंका → श्रीलंका विश्व मे चौथा बड़ा चाय उत्पादन क्षेत्र तथा प्रमुख निर्यातक देश है। उपजाऊ भूमि तथा ऊँचे तापमान उत्पादन का लम्बा मौसम प्रचुर मात्रा मे समवितरित वर्षा आदि सुविधा के कारण यहाँ चाय की पैदवार अधिक होती है।